

16.3.18

पैरोका (सरकार उपाध्येत) वल्लभपर मनन
किया तथा पत्रावली का अवलोकन किया।
तहसीलदार धौलपुर के पत्रांक-15 डिवांक
10.1.18 के शाहसा जलभूदा लकड़ी
की आन्तिम बिली (500) कं. रही है।
इससे 'आधिक बिली लगाने का कोई
तैयार नहीं है। अतः उपरोक्त नीलामी
बिली लीका की जाती है एवं
आदेश दिया जाता है कि आपाठी पर
200 कं. की शक्ति आरोपित कर
तहसीलदार धौलपुर को इस शक्ति को
आपाठी से बटूल कर व नीलामी
शाही को अग्रा राजकोष करने हेतु
पत्र जारी है। पत्रावली फंशाल शुभा
होकर दारिद्वल इफलर है।

उपखण्डाधिकारी
धौलपुर (राज.)